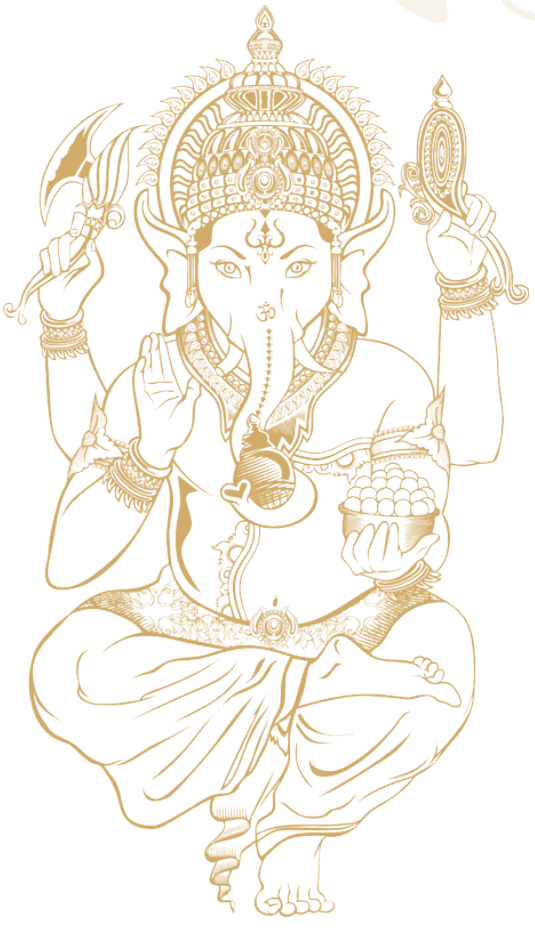

Pawan singh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120988202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/11/1995	जन्म तिथि	29/11/1999
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 07:30:00	जन्म समय	11:30:00 घंटे
घटी 00:27:09	जन्म समय(घटी)	10:16:11 घटी
India	देश	India
Nurpur	स्थान	Pathankot
32:18:00 उत्तर	अक्षांश	32:16:00 उत्तर
71:56:00 पूर्व	रेखांश	75:43:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:42:16	स्थानिक संस्कार	-00:27:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:19:08	सूर्योदय	07:08:18
17:38:24	सूर्यास्त	17:22:11
23:48:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:06

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 3वर्ष 1मा 23दि		08:55:57	वृश्चि	लग्न	मक	15:18:08	केतु 5वर्ष 0मा 1दि	
सूर्य		07:30:13	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	12:42:16	सूर्य	
16/01/2026		27:31:54	वृश्चि	चंद्र	सिंह	03:48:11	29/11/2024	
17/01/2032		01:17:49	धनु	मंगल	मक	08:24:53	30/11/2030	
सूर्य	06/05/2026	07:59:25	वृश्चि	बुध	तुला	23:08:25	सूर्य	19/03/2025
चन्द्र	04/11/2026	27:05:55	वृश्चि	गुरु व	मेष	01:56:41	चन्द्र	18/09/2025
मंगल	12/03/2027	01:52:53	धनु	शुक्र	कन्या	28:25:24	मंगल	23/01/2026
राहु	04/02/2028	24:11:54	कुंभ	शनि व	मेष	18:06:14	राहु	18/12/2026
गुरु	22/11/2028	02:16:55	तुला व	राहु	कर्क	11:46:17	गुरु	06/10/2027
शनि	04/11/2029	02:16:55	मेष व	केतु	मक	11:46:17	शनि	17/09/2028
बुध	11/09/2030	03:41:58	मक	हर्ष	मक	19:35:09	बुध	25/07/2029
केतु	16/01/2031	29:38:56	धनु	नेप	मक	08:19:14	केतु	30/11/2029
शुक्र	17/01/2032	06:43:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:20:40	शुक्र	30/11/2030

लग्न-चलित

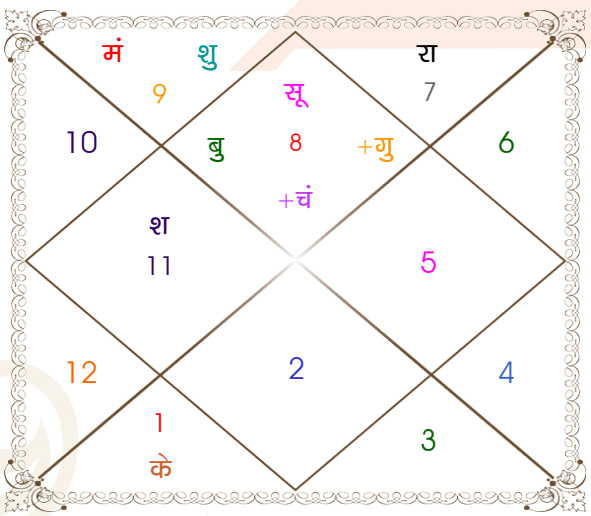

लग्न-चलित

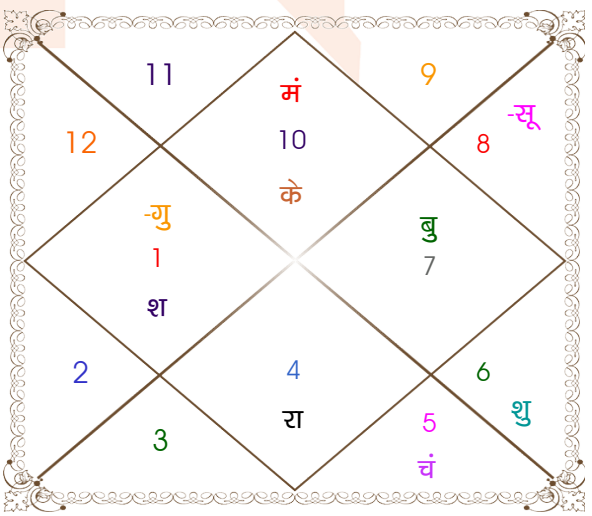

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	32.00		

चूंद`पदही का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार चूंद`पदही और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

चूंद`पदही मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

चूंद`पदही तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।